ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

7-05-2025

यदि वरदाता और वरदानी दोनों का सम्बन्ध समीप और स्नेह के आधार से निरन्तर हो और सदा कम्बाइन्ड रूप में रहो तो पवित्रता की छत्रछाया स्वतः रहेगी। जहाँ सर्वशक्तिवान बाप है वहाँ अपवित्रता स्वप्न में भी नहीं आ सकती है। जब अकेले होते हो तो पवित्रता का सुहाग चला जाता है।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

If the relationship between the Bestower of Blessings and yourself, the one who receives the blessings is closeand constant on the basis of your being loving, if you constantly remain in your combined form, there willautomatically be a canopy of purity that remains. Where there is the Father, the Almighty Authority, therecannot be any impurity even in your dreams. It is when you become alone that the suhaag (tilak of being wed)of purity is goes away.